आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

# अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 12 अंक : 13 लखनऊ, बुद्धवार 07 जुलाई से 13 जुलाई, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

## ट्विटर को अदालत की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफर्म ट्विटर को चेतावनी दी और नए आईटी नियमों का पालन करने का निर्देश दिया। आईटी नियमों को नहीं लागू करने पर हाई कोर्ट ने ट्विटर को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आप कानून नहीं लागू करते हैं तो हम आपको किसी तरह की सुरक्षा नहीं दे सकते। जस्टिस रेखा पिल्लई ने कहा कि आप साफ जवाब के साथ आईए, वरना मुश्किल में पड़ जाएंगे। जस्टिस पिल्लई ने कहा– मैं किसी तरह की सुरक्षा नहीं दे सकती हूं। पहले ही यह स्पष्ट कर चुकी हूं कि आपको नियम लागू करने ही होंगे। उन्होंने कहा– आपको आठ जुलाई तक का वक्त दिया जाता है। उम्मीद करते हैं कि आप अगली तारीख तक नियम लागू करने को लेकर जानकारी के साथ तैयार रहेंगे। अगर ट्विटर को लगता है कि वो हमारे देश में जितना चाहे टाइम ले सकती है तो मैं इसकी इजाजत नहीं दूंगी। उन्होंने कहा– केंद्र ने कहा है कि ट्विटर ने साफतौर पर आईटी नियमों का उल्लंघन किया है।

केंद्र की ओर से अतिरिक्त सलिसीटर जनरल चेतन शर्मा ने कहा कि ट्विटर को तीन महीने का वक्त दिया गया था। इस दौरान उन्हें कानून लागू करने थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। आप भारत में व्यापार करने आएं, आपका स्वागत है पर आपको नियम लागू करने होंगे। ट्विटर के वकील ने ३१ मई को कहा था कि उसने अंतरिम शिकायत अधिकारी नियुक्त किया है और शिकायत अधिकारी की प्रक्रिया जारी है। जब पूछा गया कि कितना वक्त लगेगा तो इस पर ट्विटर के वकील को कोई निर्देश नहीं थे। उन्हें और वक्त चाहिए, क्योंकि कंपनी का दफ्तर अलग टाइम जोन वाले अमेरिका में है। गौरतलब है कि ट्विटर ने अब थर्ड पार्टी कंटेंट के लिए कानूनी सुरक्षा खो दी है। उसका इंटरमीडियरी का दर्जा खत्म हो गया है, जिसका मतलब है कि सरकार की तरफ से उसे कंटेंट को लेकर किसी तरह की सुरक्षा नहीं दी जाएगी। इसलिए अब ट्विटर के ऊपर आईपीसी की धाराओं के तहत कार्रवाई हो सकती है। कानूनी सुरक्षा खत्म होने के बाद ट्विटर के प्रबंध निदेशक पर कई मुकदमे हो चुके हैं।

## मुख्यमंत्री योगी ने बनारस की विकास परियोजनाओं का किया निरीक्षण

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने एक दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान सोमवार को वाराणसी पहुंचे। मुख्यमंत्री एयरपोर्ट से सीधे सर्किट हउस पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस सभागार में विकास परियोजनाओं के प्रगति की विस्तार से समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। योगी आदित्यनाथ ने अपने एक दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान सोमवार की रात पांडेयपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय परिसर में १८.६४ करोड़ रुपए धनराशि लागत से निर्मित ५० शैया महिला चिकित्सालय (एमसीएच विंग), ५०. १७ करोड़ रुपए लागत से निर्मित वाराणसी गाजीपुर मार्ग पर रेलवे के समपार संख्या २० स्पेशल पर ३ लेन ऊपरगामी सेतु के निर्माण कार्य तथा १६.५५ करोड़ रुपए से निर्मित गोदौलिया मल्टी लेबल पार्किंग की पूर्ण हो चुके विकास परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान १६.५५ करोड़ रुपए लागत से निर्मित मल्टी लेवल पार्किंग गोदौलिया के इस ४ मंजिले सेमी ऑटोमेटिक पार्किंग में ३७५ दो पहिया वाहन खड़े किए जा सकेंगे। ग्राउंड

फ्लोर पर ३३ दुकानें भी बनी है। पर्यटन सुविधा केंद्र भी यहां मौजूद होगा। पेयजल व शौचालय की सुविधा भी यहां है। अप्रैल २०१६ में इस पार्किंग स्थल का निर्माण कार्य शुरू होकर गत ३० जून को पूरा हो चुका है। इस पार्किंग से गोदौलिया, दशाश्वमेध और काशी विश्वनाथ धाम जाने वाले सैलानियों को सहूलियत हो जाएगी।

## उत्तर प्रदेश में २४ घंटे में सिर्फ ६३ नए संक्रमित

लखनऊ। कोरोना वायरस संक्रमण के सेकेंड स्ट्रेन को लेकर जहां देश के कई राज्यों में हाहाकार मचा है, वहीं उत्तर प्रदेश में लोग अब बेहद सुरक्षित हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ट्रिपल टी यानी ट्रैक, टेस्ट मडल ने देश के सामने मिसाल पेश की है। इसी मडल से प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की सेकेंड स्ट्रेन काफी नियंत्रण में आ गई है। प्रदेश में बीते २४ घंटे में सिर्फ ६३ नए संक्रमित मिले हैं।देश की सर्वाधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में करीब २४ करोड़ लोगों में अब सिर्फ २,०३२ एक्टिव केस हैं। बीते २४ घंटे २,२८,१५८ कोविड सैम्पल की जांच की गई, जिसके बाद ६३ नए संक्रमित मिले हैं। एग्रेसिव ट्रेसिंग, टेस्टिंग और त्वरित ट्रीटमेंट की नीति के कारण ही बीते २४ घंटे में २१८ लोग इसके संक्रमण से मुक्त हो गए। मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए हैं। इससे पहले एक मार्च को २४ घंटे में सौ से कम संक्रमित मिले थे। प्रदेश में अभी २,०३२ एक्टिव केस हैं, जिनमें १,४३२ लोग होम आइसोलेशन में हैं। प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की रिकवरी दर और बेहतर होकर ९८.६ प्रतिशत हो गई है। अब तक १६ लाख ८२ हजार १३० प्रदेशवासी कोरोना संक्रमण से मुक्त होकर स्वस्थ हो चुके हैं।प्रदेश सरकार की लगातार कोशिशों से उत्तर प्रदेश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर की स्थिति नियंत्रण में है। संक्रमण दर न्यूनतम स्थिति में है। बीते और पजिटिविटी दर ०.०४ प्रतिशत रही। पहली बार इतनी कम पजिटिविटी

दर कोविड की पहली लहर के नियंत्रण में आने के बाद भी नहीं देखी गई थी। प्रदेश का श्रावस्ती जिला पूरी तरह कोरोना मुक्त हो गया है। इसके साथ ही ३८ जिलों में बीते २४ घंटे में एक भी नया संक्रमित नहीं मिला है। ३५ जिले ऐसे हैं जहां पर इनकी संख्या दहाई से नीचे है। लखनऊ तथा गौतमबुद्धनगर में ही दहाई से अधिक नए संक्रमित मिले हैं। लखनऊ में १४ और गौतमबुद्धनगर में १२ नए संक्रमित मिले हैं। प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की काफी नियंत्रित स्थिति के बाद भी एग्रेसिव टेस्टिंग जारी रखी जाएगी। प्रदेश में अब तक पांच करोड़ ६३ लाख ३१ हजार ६५५ टेस्ट हो चुके हैं। यह देश में किसी एक राज्य की सर्वाधिक कोविड टेस्टिंग है। प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार का जोर टीकाकरण पर है। सरकार ने इसके लिए वृहद टीकाकरण अभियान चलाया है। प्रदेश में अब तक ३.३५ करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं। टीकाकरण में लखनऊ सबसे आगे है और यहां अब तक १४.६३ लाख लोग वैक्सीन लगवा चुके हैं। दूसरे नंबर पर गौतम बुद्ध नगर, तीसरे नंबर पर गाजियाबाद, चौथे नंबर पर मेरठ और पांचवें नंबर पर गोरखपुर है। इन सभी जिलों में नौ लाख से ज्यादा टीके लगाए जा चुके हैं। इसमें चित्रकूट सबसे पीछे है, यहां सिर्फ १. ३७ लाख टीके ही लगाए गए हैं। इसके अलावा कन्नौज, ललितपुर औरैया, महोबा, संत कबीर नगर और कौशांबी में अभी तक दो लाख से कम लोगों ने वैक्सीन लगवाई है। प्रदेश में अब टीकाकरण अभियान फिर जोर पकड़ रहा है बीते सोमवार को ८.२३ लाख लोगों ने टीके लगवाए।प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह ने कहा कि ट्रैक, टेस्ट तथा ट्रीट से ही सूबे में कोरोना वायरस संक्रमण के केस रोज कम हो रहे हैं। मंगलवार को ही प्रदेश में १०० से कम नए केस मिले हैं। प्रदेश में अब भी फोकस टेस्टिंग पर ध्यान दिया जा रहा है।

## नियुक्ति की मांग को लेकर लखनऊ में प्रदर्शन

लखनऊ। ६६ हजार सहायक शिक्षक भर्ती प्रकरण में शामिल ओबीसी और एससी वर्ग के अभ्यर्थियों ने सोमवार सुबह बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश चंद्र द्विवेदी के आवास पहुंच प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में ओबीसी और एससी वर्ग के अभ्यर्थियों ने पहले राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), फिर शिक्षा मंत्री के डालीगंज स्थित आवास का घेराव कर नियुक्ति दिए जाने की मांग की। इसके बाद अभ्यर्थियों ने बीजेपी दफ्तर का रुख किया। जहां मौजूद पुलिस ने उन्हें वहां से खदेड़ दिया। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट में भर्ती प्रक्रिया में ५८४४ सीटों का आरक्षण घोटाला होने की बात स्वीकार की है। आयोग ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट में कहा है कि ओबीसी वर्ग को २१ प्रतिशत आरक्षण नहीं मिला है। ओबीसी कोटे की १८,५९८ सीटों में से मात्र २६३७ सीट दी गईं। वह भर्ती में ओबीसी वर्ग को २७ प्रतिशत तथा एससी को २१ प्रतिशत आरक्षण न दिए जाने से नाराज हैं।अभ्यर्थियों का कहना है कि इस भर्ती प्रक्रिया में ओबीसी को २७ प्रतिशत आरक्षण

की जगह महज ३.८६ प्रतिशत आरक्षण मिला है। अभ्यर्थियों का कहना था कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग में जितने भी अभ्यर्थियों ने लिखित शिकायत दर्ज कराई है, उन सभी अभ्यर्थियों को समायोजित किया जाए। इसके अलावा उन अभ्यर्थियों को भी समायोजित किया जाए, जिन्होंने भर्ती प्रक्रिया को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। अभ्यर्थी शहर के अलग–अलग स्थानों पर देर शाम तक डटे रहे।

# सम्पादकीय

## खबरें बड़ी चिंता पैदा करती

भारत के सेवा क्षेत्र का इंडेक्स पीएमआई यानी सर्विसेज परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स जून में सिकुड़ते हुए ४१–२ प्रतिशत पर पहुंच गया। मई में यह ४६.४ प्रतिशत पर था। गौरतलब है कि इस इंडेक्स के ५० के नीचे रहने का मतलब होता है कि संबंधित क्षेत्र में माइनस ग्रोथ हुआ। कभी ऐसे सिकुड़न या पीएमआई में वृद्धि के बावजूद गिरावट की खबरें बड़ी चिंता पैदा करती थीं। लेकिन जैसाकि कहा जाता है कि अगर और भी लकीर आ जाए, तो पुरानी कोई भी लकीर छोटी हो जाती है। तो अब ऐसी खबरें ना तो चर्चित होती हैं और ना उनसे झटका लगता है, क्योंकि देश के माली हालात उससे बहुत ज्यादा खराब हो चुके हैं, जिसका संकेत ऐसे इंडेक्स देते हैं। मसलन, स्टेट बैंक अफ इंडिया की उस शोध रिपोर्ट पर गौर करें, जिसमें बताया गया है कि अब भारत में सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में कर्ज का अनुपात चिंताजनक स्तर तक पहुंच गया है। इसका सीधा मतलब है कि आम भारतीय घर गहरे दबाव में हैं। दूसरी खबरें भी बताती रही हैं कि माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं या सीधे तौर पर महाजनों से कर्ज लेकर करोड़ों भारतीयों ने पहले लकडाउन लेकर आज तक की अवधि की गुजारी है। अब ये कर्ज वे कैसे चुकाएंगे, इसका कोई रोडमैप किसी को दिखाई नहीं देता। अगर सरकार ने आम अर्थव्यवस्था को संभाला होता, तो उम्मीद की किरण बनी रहती। लेकिन अर्थव्यवस्था का हाल यह है कि बीते वित्त वर्ष में छह लाख करोड़ रुपए से भी कम रकम की नई परियोजनाओं का एलान हुआ। ये हालत कितनी बुरी है, इसका अंदाजा गुजरे वर्षों से अगर तुलना की जाए, तो और साफ होती है। सेंटर फर मनिटरिंग इंडियन इंडस्ट्रीज (सीएमआईई) की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक २०१५–१६ में २२ लाख करोड़, २०१६–१७ में १६ लाख करोड़, २०१७–१८ में १६ लाख करोड़ रुपए की नई परियोजनाएं सुरू करने की घोषणा भारत के प्राइवेट सेक्टर ने की थी। माना जा सकता है कि पिछला साल महामारी का था, इसलिए नई परियोजनाओं के एलान में तेज गिरावट आई। लेकिन असल चिंता उसके पहले के वर्षों में लगातार गिरावट का रुख है। सीएमआई ने बीते वर्ष घोषित हुई परियोजनाओं के बारे में बताया कि उनमें ५७ फीसदी हिस्सा अंबानी और अडानी समूहों का था। इसीलिए अपनी रिपोर्ट को सीएमआई ने 'एन अंबानी–अडानी शो' नाम दिया है। तो बाकी घरानों की स्थिति स्पष्ट है। क्या इसके बाद भी भारत दुर्दशा की कहानी में कुछ बताने के लिए बच जाता है?

# योगी आदित्यनाथ का यात्रा को सुचारू रूप से चलाने का निर्देश

लखनऊ। सावन के महीने में होने वाली कांवड यात्रा को इस बार योगी आदित्यनाथ सरकार बेहतर ढंग से कराने की योजना तैयार कर रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा को इस बार सफल तथा सुरक्षित बनाने की जोरदार तैयारी की है।सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को प्रदेश में कांवड़ यात्रा को सफल बनाने का निर्देश दिया है। बीते वर्ष कोरोना वायरस संक्रमण के कारण कांवड़ यात्रा को स्थगित कर दिया गया था। इस बार सरकार बीते वर्ष की कमी को पूरा करने की तैयारी में लगी है।सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि आप सभी लोग पड़ोसी राज्यों बिहार तथा उत्तरांचल से संवाद स्थापित करें। जिससे कि कांवड़ यात्रा को सुचारू रूप से चलाया जाए। इस बार कांवड़ यात्रा २५ जुलाई से शुरु होकर अगस्त के तीसरे हफ्ते तक चलेगी। इसको सफल बनाने की योजना के निर्देश भी जारी किया गया है। कोरोना वायरस संक्रमण काल में हो रही कांवड़ यात्रा को बिल्कुल सुरक्षित ढंग से कराने की भी योजना को

अंतिम रूप दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक में कहा कि कांवड़ यात्रा में बिहार, उत्तर प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए हर स्तर पर जलाभिषेक की सुरक्षित तथा उत्कृष्ट व्यवस्था करें। पड़ोसी राज्यों से उचित संवाद स्थापित कर कांवड़ यात्रा को पूरा किया जाए। कोविड काल को ध्यान में रखते हुए कांवड़ यात्रा को सुचारू रूप से चलाया जाए। शिवभक्तों की परंपरागत कांवड़ यात्रा २५ से शुरू होगी। सभी कांवड़ मार्ग को दुरुस्त कर लें। रास्ते में शिवभक्तों के रुकने की व्यवस्था के साथ ही इनकी चिकित्सा के इंतजाम को भी परख लें। योगी आदित्यनाथ सरकार हर वर्ष कांवड़ यात्रा के लिए विशेष इंतजाम भी करती रही है। प्रदेश में उनके स्वागत में कई जगह हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा आदि भी की जाती है।उत्तराखंड में इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा प्रतिबंधित करने का ऐलान किया गया है। बीते दिनों उत्तराखंड के डीजीपी ने आठ राज्यों के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि यात्रा पर प्रतिबंध है, ऐसे में यहां जो भी आएगा, हो सकता है उसे १४ दिन के लिए क्वारंटीन कर दिया जाए। इतना ही नहीं स्थानीय लोगों के लिए भी यात्रा प्रतिबंधित रहेगी।

# सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुरू की हार की समीक्षा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में बुरी तरह हारी समाजवादी पार्टी ने हार की समीक्षा शुरू कर दी है। ब्लाक प्रमुख चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी संगठन में बड़े बदलाव कर उसे चुस्त–दुरुस्त करेगी। समाजवादी पार्टी ने प्रत्येक

जिले से हार के कारणों की लिखित रिपोर्ट मंगाई है। रिपोर्ट आने के बाद संगठन में शिथिल व भितरघात करने वाले नेताओं पर कार्रवाई की जाएगी।समाजवादी पार्टी को जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में केवल पांच सीटें ही मिली हैं। कई ऐसे जिले भी हैं जहां सबसे अधिक जिला पंचायत सदस्य समाजवादी पार्टी के जीतने के बावजूद जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी उसके हाथ नहीं लगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हार की समीक्षा में जुट गए हैं। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा की। सपा ने सभी जिलों से हार के कारणों की विस्तृत रिपोर्ट मंगाई है।समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि जिलों से सात जुलाई तक लिखित रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट आने के बाद देखा जाएगा कि कहां किसने गड़बड़ की है। लिखित जवाब तलब इसलिए किया जा रहा है ताकि जिलेवार स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके और दोषियों पर ही कार्रवाई हो। भितरघात करने वालों के खिलाफ पार्टी सख्त कार्रवाई करेगी। संगठन में बदलाव के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि जहां भी संगठन कमजोर मिलेगा वहां बदलाव किया जाएगा। इसके अलावा संगठन में जो–जो पद रिक्त हैं उनमें भी नए सिर से नियुक्ति की जाएगी।

# अब मंत्री और IAS अधिकारियों तक भी पहुंचेगी सीबीआइ जांच की आंच

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के शासनकाल में हुए गोमती रिवर फ्रंट घोटाले में सीबीआइ जांच की आंच कई बड़ों तक पहुंच सकती है। सीबीआइ ने सोमवार को देर रात तक चली छापेमारी के दौरान सात और ठिकानों पर भी लंबी छानबीन की। कुल ४६ स्थानों पर की गई छापेमारी के दौरान मिले दस्तावेजों का अध्ययन किया जा रहा है। नियमों को ताख पर रखकर जिस तरह ४०७ करोड़ रुपये के काम चहेतों को रेवड़ी की तरह बांटे गए थे, उससे सीबीआइ अधिकारियों को आशंका है कि यह सब केवल इंजीनियरों के बस का नहीं था। जरूर इस बंदरबांट में बड़ों का हाथ था। सीबीआइ कमीशन की कड़ियां खंगालने के साथ ही अब इन कामों की मानीटरिंग के जिम्मेदार रहे वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की भी जांच करेगी। यह भी पता लगाएगी कि किन कामों का अप्रूवल शासन स्तर से लेना जरूरी था और उसके लिए क्या प्रक्रिया अपनाई गई थी। सूत्रों का कहना है कि तत्कालीन विभागीय मंत्री की भूमिका भी जांच के दायरे में होगी।सीबीआइ ने सोमवार को उत्तर प्रदेश, राजस्थान व कोलकता स्थित ४२ ठिकानों पर छापा मारा था। इस दौरान कुछ आरोपितों के अन्य ठिकानों की भी जानकारी सामने आई और सीबीआइ ने सात अन्य स्थानों पर भी देर रात तक पड़ताल की। सीबीआइ लखनऊ के साथ सीबीआइ गाजियाबाद, देहरादून, बिहार व दिल्ली के अधिकारियों की टीमें बनाकर यह छापे मारे गए थे। सीबीआइ को एक तत्कालीन चीफ इंजीनियर के घर से एक करोड़ रुपये की एफडी भी मिली है। इसके अलावा कई अधिकारियों व फर्म संचालकों के घर हीरे व सोने के बेशकीमती जेवर भी मिले, जिनका ब्योरा दर्ज किया गया है। सीबीआइ ने जेवर जब्त नहीं किए हैं। सीबीआइ जांच में यह बात पहले ही सामने आ चुकी है कि नामजद आरोपित सिंचाई

विभाग के तत्कालीन अधीक्षण अभियंता रूप सिंह यादव, शिवमंगल यादव, जीवन राम यादव, अखिल रमन, तत्कालीन चीफ इंजीनियर ओम वर्मा, काजिम अली, एसएन शर्मा व अन्य अधिकारियों ने जिस फर्म को चाहा उसे काम दिलवा दिया। कार्यों के आवंटन के लिए बनी समिति के अध्यक्ष जिसे चाहते थे, उसे काम दे देते थे और उनके अप्रूवल पर समिति के अन्य सदस्य सहमति दे देते थे। खास बात यह थी कि जिन कामों के टेंडर की कागजी प्रक्रिया पूरी भी की गई, उनमें काम हासिल करने वाली फर्म के अलावा अन्य दो बोगस फर्में शामिल की जाती थीं। ३० से ३५ टेंडर की सूचना के लिए फर्जी अखबार छपवाए गए थे। सीबीआइ अधिकारियों के गले से अब यह बात नहीं उतर रही है कि इतना बड़ा खेल इंजीनियर अपने स्तर से करते रहे और विभाग के बड़ों को इसकी भनक तक नहीं लगी। जब गोमतीनगर रिवरफ्रंट परियोजना की शुरुआत हुई थी, तब सिंचाई मंत्री शिवपाल यादव व प्रमुख सचिव सिंचाई दीपक सिंघल थे। उल्लेखनीय है कि सपा शासनकाल में १५०० करोड़ रुपये की गोमती रिवर फ्रंट परियोजना से जुड़े करीब ४०७ करोड़ रुपये के कार्यों में घपला पकड़ा गया है। सीबीआइ लखनऊ की एंटी करप्शन ब्रांच ने ४०७ करोड़ रुपये के ६६१ कार्यों की आरंभिक जांच के बाद बीती दो जुलाई को सिंचाई विभाग के १६ तत्कालीन अधिकारियों व कर्मियों समेत कुल १८६ आरोपितों के विरुद्ध अपनी दूसरी एफआइआर दर्ज की थी। इसके बाद ही सोमवार को सूबे के १३ जिलों के अलावा कोलकता व राजस्थान के अलवर में ताबड़तोड़ छापेमारी की थी। सीबीआइ ने सोमवार को पहले चरण में उन फर्म संचालकों के घर छापे मारे, जिन्हें १५ से २० करोड़ रुपये या उससे अधिक कीमत के काम आवंटित हुए थे। छापेमारी के दौरान बरामद दस्तावेजों के जरिये कमीशन का अंदाजा लगाने का प्रयास किया जा रहा है। यह भी देखा जा रहा है कि किस काम को कितने हाई रेट पर आवंटित किया गया था। इसके साथ ही अब काम हासिल करने वाली फर्मों के संचालकों के रसूखों की भी पड़ताल होगी। किसका किससे कनेक्शन था और किस बड़े की सिफारिश पर किस फर्म को काम दिया गया था, इसकी भी छानबीन की जाएगी।

# ब्लाक प्रमुख के चुनाव में तैनात होंगे डिप्टी एसपी, ११ जुलाई तक सभी अवकाश रद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गांव तथा जिले की सरकार के चुनाव के बाद बारी अब ब्लाक प्रमुख के चुनाव की है। प्रदेश में दस जुलाई को ८२५ ब्लाक पर होने वाले इस चुनाव के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुरक्षा बेहद दुरुस्त करने का निर्देश दिया है। हर ब्लाक में डिप्टी एसपी को तैनात किया जाएगा। जिनके नेतृत्व में ब्लाक का सारी चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न होगी। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी सीओ तथा चुनाव प्रक्रिया से जुड़े कर्मियों का अवकाश ११ जुलाई तक के लिए रद कर दिया गया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन में मंगलवार को समीक्षा बैठक में ब्लाक प्रमुख के चुनाव भी कुशलता से सम्पन्न कराने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्लक प्रमुख के चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए सभी जगह अतिरिक्त सतर्कता बरतें। सभी जगह अराजक तत्वों के विरुद्ध सख्ती के साथ कार्रवाई करें। उनका निर्देश है कि सीओ स्तर के अधिकारी ब्लॉक स्तर पर तैनात करें।ब्लाक प्रमुख के चुनाव चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से हों, इसके लिए सभी जगह जिला प्रशासनध् पुलिस बल को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी। चुनाव कार्य में प्रत्यक्षध् अप्रत्यक्ष ढंग से संलग्न किसी अधि ाकारी को ११ जुलाई तक कोई अवकाश स्वीकृत न किया जाए।प्रदेश में जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया पूरी होते ही राज्य निर्वाचन आयोग ने क्षेत्र पंचायत (ब्लाक) प्रमुख के चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। प्रदेश के सभी जिलों (गोंडा की क्षेत्र पंचायत मुजेहना को छोड़कर) में १० जुलाई को मतदान और उसी दिन मतगणना होगी। ८२५ क्षेत्र पंचायत प्रमुखों के चुनाव के लिए आठ जुलाई को नामांकन होगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत सभी जिलों में क्षेत्र पंचायत प्रमुख का चुनाव अब कराया जाना है। छह माह से अधिक का कार्यकाल शेष रहने से गोंडा जिले की मुजेहना क्षेत्र पंचायत को छोड़कर शेष ८२५ क्षेत्र पंचायतों के चुनाव की अधिसूचना जारी की गई है। जहां निर्विरोध निर्वाचन होगा वहां छोड़कर अन्य क्षेत्र पंचायतों के प्रमुख पद के लिए १० जुलाई को मतदान कराया जाएगा। आठ जुलाई को नामांकन पूर्वान्ह ११ से तीन बजे तक होगा। उसी दिन तीन बजे से नामांकन पत्रों की जांच होगी। नौ जुलाई को पूर्वान्ह ११ बजे से तीन बजे तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकते हैं। १० जुलाई को ११ से तीन बजे तक मतदान और उसके बाद मतगणना कराकर नतीजे उसी दिन घोषित कर दिए जाएंगे।

# कल्याण सिंह के स्वास्थ में हल्का सुधार, बेहतर इलाज के लिए पीएम मोदी ने योगी से की बात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह की तबीयत खराब है। पहले उन्हें लखनऊ के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया था। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया। डक्टरों के ताजा बयान के मुताबिक उनकी हालत में हल्का सुधार हुआ है। वह वरिष्ठ चिकित्सकों की देखरेख में हैं। सभी प्रारंभिक जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार ही उनके स्थिति का प्रबंधन भी किया जाएगा। हालांकि बड़ी बात यह है कि पहले की तुलना में उनकी स्थिति में लगातार सुधार जारी है। इन सबके बीच बड़ी खबर यह है कि प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को फोन कर यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि कल्याण सिंह को अच्छी चिकित्सा देखभाल उपलब्ध कराई जाए। यह जानकारी सूत्रों की ओर से दी गई। इसके अलावा यह भी कहा जा रहा है कि पीएम मोदी ने कल्याण सिंह के बेटे राजवीर को भी उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए फोन किया था। अमित शाह के भी ओर से कल्याण सिंह के परिवार को फोन किया गया था और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली गई थी। रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिन में डॉक्टर राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान पहुंचकर कल्याण सिंह के स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की थी। आपको बता दें कि कल्याण सिंह को पिछले २१ जून को डॉक्टर राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में अनियंत्रित ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर आदि की शिकायत के साथ भर्ती किया गया था। कल्याण सिंह भाजपा के तेज तर्रार नेताओं में से एक रहे हैं। १९९१ में पहली बार वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद वह १९९७ से १९९९ तक फिर से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। बाबरी मस्जिद मामले में वह सीबीआई जांच का सामना कर चुके हैं। २०१४ से २०१९ तक वह राजस्थान के राज्यपाल रहे हैं।

# युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र के अंतर्गत एक युवक ने फांसी लगाकर संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या कर ली परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पुलिस के अनुसार पिंटू पुत्र उमाशंकर सिंह निवासी ग्राम रंजीत खेड़ा मजरा कनकहा थाना मोहनलालगंज ने लिखित सूचना देते हुए बताया कि मेरा छोटा भाई सुनील कुमार उम्र लगभग ३० वर्ष ने घर में स्थित कमरे की छत में लगे कुंडे में रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है मृतक किसान है जो खेती बाड़ी करता था पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है

# महिला डॉक्टर को तांत्रिक ने जाल में फंसाकर ऐंठे लाखों

लखनऊ। राजधानी के चिनहट क्षेत्र के मटियारी इलाके की एक डा. महिला को एक मौलाना ने काला जादू और आत्माओं के भय का साया दिखाकर फोन पर डराया ध्मकाया और २.६७ लाख रुपये ऐंठ लिए। पीडिघ्ता की तहरीर पर चिनहट पुलिस ने फोन नंबर के आधार पर मौलाना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।पीडिघ्ता ने बताया कि वह बीते २८ जून को वह आटो से घर लौट रही थीं। इस दौरान उन्होंने आटो में लगे एक पंफलेट पर उन्हें मोबाइल नंबर मिला। उसमें लिखा था कि पुरानी से पुरानी बीमारी से छुटकारा पाने के लिए फोन करें। पीडिघ्ता के परिवार में कई लोग बीमारी से ग्रसित थें। उन्होंने ३० जून को उस नंबर पर फोन किया। फोन रिसीव करने वाले ने खुद को मिर्जा खान बताया और कहा कि घर में काला जादू और आत्माओं का साया है। उसने एक बैंक खाता दिया और उसमें एक रुपया ट्रांसफर करने को कहा। एक रुपये जैसी छोटी रकम थी इस लिए ट्रांसफर कर दिया। इसके बाद डरा धमकाकर उसने कई बार में कुल २.६७ लाख रुपये ऐंठ लिए।इंस्पेक्टर चिनहट घनश्याम मणि त्रिपाठी ने बताया कि पीडिघ्ता का कहना है कि मौलाना ने उनसे कहा कि बीमारी से छुटकारा पाने किए बकरे की बली देनी होगी। बकरे की बली नहीं दी तो तुम सब मर सकते हो। वह बकरा खरीदकर बली दे देगा। बकरे की बली के नाम पर २५ हजार लिए थे। पुलिस ने बताया कि मौलाना की लोकेशन पश्चिमी उत्तर प्रदेश मिली है। उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

# पूर्व सांसद धनंजय सिंह भगोड़ा घोषित

लखनऊ। आजमगढ़ के पूर्व ब्लक प्रमुख अजीत सिंह की लखनऊ में छह जनवरी को हत्या के मामले में पूर्व सांसद धनंजय सिंह की मुश्किल बढ़ती ही जा रही है। इस हत्याकांड में २५ हजार का इनाम घोषित होने के बाद अब लखनऊ की कोर्ट ने बहुजन समाज पार्टी से जौनपुर से सांसद रहे धनंजय सिंह को भगोड़ा घोषित कर दिया है।लखनऊ की कोर्ट ने अजीत सिंह की हत्या में बड़ी साजिश रचने वाले फरार पूर्व सांसद धनंजय सिंह को भगोड़ा घोषित कर दिया है। पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर लखनऊ में हुए आजमगढ़ के पूर्व ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह हत्याकांड की साजिश रचने का आरोपी है। इस हत्याकांड में लखनऊ पुलिस शूटर सहित कई लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इसके बाद धनंजय सिंह का भी नाम जोड़ा गया। लखनऊ, विभूतिखंड में अजीत सिंह हत्याकांड में आरोपित धनंजय सिंह के खिलाफ कोर्ट से हुई ८२ की कार्रवाई।धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला सिंह तीन जुलाई को जौनपुर से निर्दलीय जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं। हाल ही में भाजपा के सहयोगी दल के सहयोग से ध्नंजय सिंह की पत्नी जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जीतीं हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव तक शांत

रही पुलिस ने एकाएक अजीत सिंह हत्याकांड के मामले में धरपकड़ तेज कर दी है। लखनऊ पुलिस महीनों से धनंजय सिंह को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है, लेकिन धनंजय सिंह आराम से जौनपुर में था। कुछ महीनों पहले ही वह एक अन्य मामले में जमानत कटवाकर जेल भी गया। इसके बाद उसकी जमानत हो गई और वह बाहर आ गया लेकिन लखनऊ पुलिस को नहीं मिला। लखनऊ पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए जौनपुर उसके घर तक कई बार दबिश की औपचारिकता पूरी कर चुकी है।ध्नंजय सिंह इस हत्याकांड में अग्रिम जमानत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा चुका चुका है, लेकिन राहत नहीं मिली। धनंजय की तरफ से कहा गया कि उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है।लखनऊ में बीती छह जनवरी को अजीत सिंह की हत्या की गई थी। अजीत की पत्नी रानू सिंह ने मऊ में जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह, आजमगढ़ के माफिया कुंटू सिंह उर्फ ध्रुव सिंह, अखंड सिंह व गिरधारी विश्वकर्मा उर्फ डक्टर के खिलाफ लिखित तहरीर दी थी। मऊ पुलिस ने लखनऊ में वारदात होने के कारण उसे संबंधित थाने में देने की बात कहकर वापस भेज दिया। लखनऊ के विभूतिखंड थाना में अजीत के करीबी मोहर सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया था।

# उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अयोध्या मंडल के ११६ परियोजना का किया लोकार्पण

लखनऊ। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल ने जनपद मुजफ्फरनगर में डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर नमन किया। अग्रवाल ने इसके बाद क्षेत्रीय लोगों के साथ वृक्षारोपण किया। उन्होंने लोगों को वृक्षारोपण कहने का आवाहन करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण में अपना सहयोग प्रदान करना चाहिए।

# आठ राज्यों के राज्यपाल बदले

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने एक साथ आठ राज्यों के राज्यपाल बदलने का आदेश जारी किया है। केंद्र सरकार में



सामाजिक अधिकारिता मंत्री थावरचंद गहलोत को कर्नाटक का राज्यपाल बनाया गया है। वे वजूभाई वाला की जगह लेंगे। करीब एक साल से खाली मध्य प्रदेश के राजभवन में गुजरात भाजपा के नेता मंगुभाई छगनभाई पटेल को भेजा गया है। लालजी टंडन के निधन के बाद से उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल मध्य प्रदेश का कार्यभार संभाल रही थीं। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गोवा के भाजपा नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र विश्वनाथ अरलेकर को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया है। राष्ट्रपति ने आंध्र प्रदेश के भाजपा नेता डॉ. हरि बाबू कंभमपति को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने को मंजूरी दी है। बयान में कहा गया है कि मिजोरम के राज्यपाल पीएस पिल्लै को वहां से हटा कर, गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य को त्रिपुरा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है और त्रिपुरा के राज्यपाल रमेश बैस को झारखंड का राज्यपाल बनाया गया है। राष्ट्रपति भवन की बयान के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को हरियाणा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। बयान में कहा गया है कि ये नियुक्तियां इनके राज्यपाल के रूप में पद भार संभालने की तिथि से प्रभावी होंगी।

# आलाकमान का आदेश मानेंगे कैप्टेन

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस में चल रही खींचतान और नवजोत सिंह सिद्धू के साथ चल रहे विवाद के बीच राज्य के मुख्यमंत्री कैप्टेन अमरिंदर सिंह ने मंगलवार को कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया



गांधी से मुलाकात की। सोनिया से मिलने के बाद कैप्टेन ने कहा कि वे पार्टी आलाकमान के हर निर्देश को मानने के लिए तैयार हैं। माना जा रहा है कि जल्दी ही पार्टी आलाकमान की ओर से पंजाब में सुलह का कोई फर्मूला जारी किया जाएगा। बहरहाल, मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष से कैप्टेन अमरिंदर सिंह की मुलाकात से पहले पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोनिया गांधी से मुलाकात की थी। ध्यान रहे प्रियंका गांधी वाड्रा पंजाब के मामले में खासी दिलचस्पी ले रही हैं और पिछले हफ्ते वे नवजोत सिद्धू से मिली थीं। कहा जा रहा है कि प्रियंका के जोर देने पर ही राहुल गांधी ने भी सिद्धू से मुलाकात की थी। गौरतलब है कि पंजाब में अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। मामले को हल करने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने तीन सदस्यों की एक कमेटी भी बनाई थी, जिसके सामने सिद्धू और अमरिंदर सिंह दोनों पेश हुए थे। कमेटी ने राज्य के और भी कई विधायकों और सांसदों से भी बात की थी। इसके बाद सिद्धू ने राहुल और प्रियंका गांधी से भी मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि सिद्धू को पंजाब कांग्रेस में बड़ा पद मिल सकता है।

## केशव प्रसाद मौर्य ने डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयन्ती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया

लखनऊ। उ०प्र० के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भारतीय एकता एवं अखण्डता के लिये अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर देने वाले, महान शिक्षाविद एवं प्रखर राष्ट्रवादी विचारक डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयन्ती पर अपने सरकारी आवास पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। श्री मौर्य ने डाइ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा उनके महान आदर्श, समृद्ध विचार और लोगों की सेवा करने की प्रतिबद्धता देश व समाज को हमेशा प्रेरित करती रहेगी, राष्ट्रीय एकता के उनके प्रयास हमेशा अविस्मरणीय रहेंगे। ०५ अगस्त २०१६ को जम्मू–कश्मीर पर लगा अनुच्छेद–३७० का दंश हमेशा के लिये मिट गया। डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कई दशक पहले ही इस सपने को देखा था। एक विधान, एक निशान और एक प्रधान का डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना साकार हो गया। मौर्य ने कहा कि डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि उनके बताये हुये रास्ते पर चले, उनके विचारों के साथ जुड़े और उनके विचारों को आगे बढ़ाने का काम करें।

# ८४ साल के सामाजिक कार्यकर्ता फादर स्टेन स्वामी की मौत

मुंबई। भीमा कोरेगांव हिंसा की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार ८४ साल के सामाजिक कार्यकर्ता फादर स्टेन स्वामी की मौत हो गई है। सोमवार को उनकी जमानत याचिका पर बांबे हाई कोर्ट में सुनवाई होनी थी, जहां उनके वकील ने बताया कि उनका निधन हो गया है। रविवार को तबियत बिगड़ने के बाद उनको वेंटिलेटर पर रखा गया था। इससे पहले मई के अंत में उनको अदालत के आदेश पर एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया था। भीमा कोरेगांव हिंसा मामले की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी, एनआईए ने आरोप लगाए थे कि स्टेन स्वामी के नक्सलियों से संबंध हैं और खासतौर पर वे प्रतिबंधित माओवादी संगठन के संपर्क में हैं। वे अक्टूबर २०२० से मुंबई की तलोजा जेल में बंद थे और लगातार उनकी तबियत बिगड़ती जा रही थी। स्टेन स्वामी सुनने की क्षमता पूरी तरह खो चुके थे। वे लाइलाज पार्किंसन बीमारी से भी जूझ रहे थे। उन्हें स्पांडिलाइटिस की भी समस्या थी। पिछले साल मई में वे कोरोना पजिटिव पाए गए थे। उसके बाद से उनकी स्थिति लगातार गंभीर थी। तबियत ज्यादा बिगड़ने पर २८ मई २०२१ को बांबे हाई कोर्ट ने उन्हें निजी अस्पताल में दाखिल



करवाने का आदेश दिया था। इससे पहले स्टेन स्वामी तलोजा जेल में खराब स्वास्थ्य सुविधाओं की शिकायत की थी। इससे पहले उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान अदालत से कहा था कि जेल में उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही है। उन्होंने अंतरिम जमानत की अपील करते हुए कहा था– यही स्थिति लगातार जारी रही तो जल्दी मेरी मौत हो जाएगी। पिछले महीने एनआईए ने स्टेन स्वामी को जमानत दिए जाने का विरोध किया था। जांच एजेंसी ने कहा था कि उनकी तबीयत खराब होने का कोई पुख्ता प्रमाण नहीं है। वो एक माओवादी हैं और उन्होंने देश में अस्थिरता लाने के लिए साजिश रची है। गौरतलब है कि ३१ दिसंबर २०१७ को पुणे के नजदीक भीमा कोरेगांव में हुई हिंसा के मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। एनआईए ने कहा था कि इस हिंसा से पहले एलगार परिषद की सभा हुई थी। इस दौरान स्टेन ने भड़काऊ भाषण दिया था। इसी से हिंसा भड़की। गौरतलब है कि आदिवासी अधिकारों के लिए लड़ने वाले स्टेन स्वामी ने करीब पांच दशक तक झारखंड में काम किया था। उन्होंने विस्थापन, भूमि अधिग्रहण जैसे मुद्दों को लेकर आदिवासी और स्थानीय लोगों की लड़ाई लड़ी। उन्होंने दावा किया था कि नक्सलियों के नाम पर तीन हजार लोगों को जेल भेजा गया। इनका केस अभी लंबित है। स्टेन स्वामी उनके लिए हाई कोर्ट में मुकदमा लड़ रहे थे।

# कोरोना वायरस के फिर ४० हजार से ज्यादा केस

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के नए संक्रमितों की संख्या एक दिन कम रहने के बाद एक बार फिर बढ़ कर ४० हजार से ऊपर पहुंच गई है। सोमवार को संक्रमितों की संख्या ३२ हजार के करीब थी, लेकिन मंगलवार को फिर २४ घंटे में मिले संक्रमितों की संख्या ४० हजार से ज्यादा हो गई। संक्रमण से मरने वालों की संख्या में भी सोमवार को बड़ी गिरावट आई थी। तीन महीने बाद संक्रमण से मरने वालों की संख्या साढ़े पांच सौ के करीब रही थी। लेकिन मंगलवार को फिर यह संख्या साढ़े आठ सौ से ऊपर पहुंच गई। देश में सर्वाधिक संक्रमित महाराष्ट्र में मरने वालों की संख्या बढ़ी है। कोरोना संक्रमितों की संख्या सबसे ज्यादा केरल में चिंताजनक है। वहां सोमवार को आठ हजार से कुछ ज्यादा केसेज आए थे लेकिन मंगलवार को यह संख्या १४ हजार से ऊपर पहुंच गई। महाराष्ट्र में भी संक्रमितों की संख्या आठ हजार से ऊपर रही। दक्षिण के चार राज्यों के अलावा पूर्वी भारत में पश्चिम बंगाल और ओड़िशा और पूर्वोत्तर के चार राज्यों में नए संक्रमितों की संख्या चिंता पैदा करने वाली है। खासतौर से मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में बड़ी संख्या में नए केसेज आ रहे हैं। बहरहाल, मंगलवार को खबर लिखे जाने तक देश में ४१ हजार के करीब केसेज आए थे और ८६८ लोगों की मौत हुई थी। खबर लिखे जाने तक छत्तीसगढ़, असम, झारखंड, पंजाब सहित कुछ राज्यों के आंकड़े अपडेट नहीं हुए थे। इनके आंकड़े आने के बाद संक्रमितों की संख्या में थोड़ा इजाफा होगा। मंगलवार को देश के सर्वाधिक संक्रमित राज्य महाराष्ट्र में ८,४१८ नए संक्रमित मिले और ३६५ लोगों की मौत हुई। राजधानी दिल्ली में २४ घंटे में ७६ नए मामले मिले और चार लोगों की मौत हुई। राजस्थान में ४७ नए मामले सामने आए और एक व्यक्ति की मौत हुई। देश के दूसरे सर्वाधिक संक्रमित राज्य केरल में मंगलवार को १४,३७३ नए केसेज आए और १४२ लोगों की मौत हुई। कर्नाटक में ३,१०४ नए मामले आए और ६२ लोगों की मौत हुई। आंध्र प्रदेश में ३,०४२ नए मामले आए और २८ मरीजों की मौत हुई। पश्चिम बंगाल में ६६२ नए मामले आए और १७ लोगों की मौत हुई। ओड़िशा में २,४८७ नए मामले आए और ५१ लोगों की मौत हुई। मध्य प्रदेश में २७ नए मामले आए और दो लोगों की मौत हुई।

# लखनऊ से भागीं दो संवासिनियां बरामद

लखनऊ। मोतीनगर स्थित राजकीय बालगृह बालिका से भागीं पांच संवासिनियों में दो को मंगलवार को बरामद कर लिया गया है। एक कानपुर के बिठूर क्षेत्र में स्थित एक गांव से पुलिस टीम ने बरामद कर लिया है। वहीं, पुलिस की टीम बरामद संवासिनी से पूछताछ कर रही है। इंस्पेक्टर नाका मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस की टीमें अभी बची हुई अन्य चार संवासिनियों की तलाश में दबिश दे रही हैं। रविवार तड़के बालगृह बालिका से पांच संवासिनियां बाउंड्री वाल फांदकर भाग निकली थीं। बरामद संवासिनी का बुधवार को मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराया जाएगा। वहीं देर शाम दूसरी संवासिनी को सीतापुर से बरामद किया गया है। उन्नाव गंगाघाट की रहने वाली है संवासिनी उसके मित्र ने रोका था बिठूर में बरामद संवासिनी उन्नाव जनपद के गंगाघाट क्षेत्र की रहने वाली है। उसे उसके एक मित्र ने बिठूर के एक गांव में रोका था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मित्र तो मौके से मिला नहीं पर पुलिस ने संवासिनी को बरामद कर लिया है। पुलिस की टीम अब उससे अन्य चार संवासिनियों के बारे में पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक राजकीय बालगृह बालिका की अधीक्षिका मिथलेश पाल और अन्य कर्मचारियों की घोर लापरवाही सामने आयी है। संवासिनियों के लिए बालगृह में मोबाइल रखना प्रतिबंधित है। पर संवासिनियां बालगृह में मोबाइल रखें थीं। पुलिस की प्राथमिक जांच में यह सामने आया है। वह मोबाइल के जरिए ही अपने दोस्त से संपर्क में थीं। इंस्पेक्टर नाका मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि संवासिनियों की लोकेशन के आधार पर पुलिस की कई टीमें कानपुर, उन्नाव, सीतापुर और हरदोई समेत अन्य जनपदों में दबिश दे रही हैं। जल्द ही अन्य को भी बरामद कर लिया जाएगा।

# श्रीनगर में भी ड्रोन पर पाबंदी

श्रीनगर। जम्मू में एयरफोर्स स्टेशन पर ड्रोन से हमले और कई जगह सैन्य ठिकानों के आसपास ड्रोन दिखाई देने के बाद संवेदनशील इलाकों में ड्रोन के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई जा रही है। एयरफोर्स स्टेशन पर हमले के करीब एक हफ्ते के बाद श्रीनगर प्रशासन ने ड्रोन पर पाबंदी लगा दी है। इससे पहले राजौरी और कठुआ में भी इसके इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई जा चुकी है। अब श्रीनगर में भी ड्रोन की खरीद–बिक्री और उसे रखने पर भी रोक रहेगी। श्रीनगर के कलेक्टर मोहम्मद अजीज ने ड्रोन के इस्तेमाल पर पाबंदी के आदेश जारी किए हैं। इसके मुताबिक, जिन लोगों के पास ड्रोन कैमरा या इसी तरह का कोई दूसरा उपकरण है, उन्हें उसे तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन में जमा कराना होगा। गौरतलब है कि २६ जून की देर रात जम्मू एयरफोर्स स्टेशन पर ड्रोन से हमला हुआ

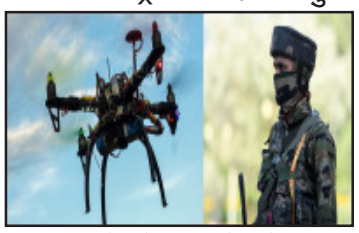

था, जिसमें दो जवानों को हल्की चोटें आई थीं। वहां पांच मिनट के अंतराल पर दो धमाके हुए थे। इस घटना के दो दिन बाद जम्मू के ही कालूचक सैन्य ठिकाने पर दो ड्रोन दिखाई दिए थे। सेना ने उन्हें मार गिराने के लिए फायरिंग की, पर वो अंधेरे में गायब हो गए। इसके बाद से ही सेना ने पूरे इलाके में बड़े पैमाने पर सर्च अपरेशन शुरू किया है। एयरफोर्स स्टेशन पर अटैक के दौरान ड्रोन के जरिए एयरबेस के भीतर दो आईईडी गिराए गए थे। जम्मू कश्मीर के पुलिस प्रमुख दिलबाग सिंह ने इस हमले को आतंकी हमला बताया था। इस हमले के बाद से ही जम्मू कश्मीर में अलर्ट जारी था। यहां शादी समारोह समेत किसी भी कार्यक्रम में ड्रोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अब राज्य में सिर्फ सरकारी विभाग ही ड्रोन का इस्तेमाल कर सकेंगे। प्रशासनिक विभाग सुरक्षा के तहत नजर रखने, सर्वे करने, खेती की गतिविधि जानने और बाकी चीजों को लेकर ड्रोन का इस्तेमाल करता है।

# भारत और श्रीलंका क्रिकेट सीरीज पर मंडराया खतरा

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच खेली जाने वाली क्रिकेट सीरीज पर कोरोना के चलते रद्द होने का खतरा मंडरा रहा है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने इंग्लैंड दौरे से लौटने वाले अपने सभी खिलाड़ियों के घर जाने पर पाबंदी लगा दी है। बता दें कि इंग्लैंड के खिलाड़ियों के कोरोना पजिटिव पाए जाने के बाद से हड़कंप मचा हुआ है। ऐसे में भारत और श्रीलंका सीरीज पर भी खतरे के बादल मंडराने लगे हैं। गौरतलब है कि इंग्लैंड की टीम के ३ खिलाड़ी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं और अब श्रीलंका टीम इंग्लैंड दौरे से वापस लौटी है। ऐसे में डर है कि भारत के खिलाफ वनडे और टी२० सीरीज पूरी हो पाएगी या नहीं। श्रीलंका और भारत को १३ जुलाई से वनडे और टी२० सीरीज खेलनी हैं। श्रीलंका बोर्ड इंग्लैंड दौरे से लौटे अपने खिलाड़ियों को घर जाने

पर बैन लगाते हुए उन्हें बायो बबल में भेज दिया है। अगर इसमें कोई खिलाड़ी पजिटिव पाया गया तो टेस्ट और क्वारंटीन और जांच के नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।

# स्टेन स्वामी की मौत, विपक्ष की चिट्ठी

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता और आदिवासी अधिकारों के लिए लड़ने वाले फादर स्टेन स्वामी की मौत के एक दिन बाद विपक्ष के १० नेताओं ने राष्ट्रपति को चिट्ठी लिखी है और कहा है कि जेल में बंद सामाजिक कार्यकर्ताओं को तत्काल रिहा किया जाए। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, एनसीपी प्रमुख शरद पवार और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित लगभग सभी बड़ी विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने इस चिट्ठी पर दस्तखत किए हैं। गौरतलब है कि एक दिन पहले सोमवार को फादर स्टेन स्वामी का एक अस्पताल में निधन हो गया है। वे पिछले आठ महीने से महाराष्ट्र की तलोजा जेल में बंद थे। उनको भीमा कोरेगांव हिंसा के मामले में गिरफ्तार किया गया था और नक्सलियों से मिले होने का आरोप लगाया था। ८४ साल के फादर स्टेन को कई बीमारियां थीं। उनके अलावा भीमा कोरेगांव मामले में कई और सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी कार्यकर्ताओं को रिहा करने और गलत तरीके से इन लोगों को गिरफ्तार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए विपक्ष के नेताओं ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को

पत्र लिखा है। पत्र में लिखा गया है– हम भारत के राष्ट्रपति के रूप में आपके तत्काल हस्तक्षेप के लिए आग्रह करते हैं कि आप आपकी सरकार को निर्देश दें कि उन लोगों के खिलाफ झूठे मामले थोपने, जेल में उनकी निरंतर नजरबंदी और अमानवीय व्यवहार के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाए। उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। विपक्षी नेताओं ने लिखा है– अब यह जरूरी हो गया है कि भीमा कोरेगांव मामले में जेल में बंद सभी और राजनीतिक रूप से प्रेरित मामलों के तहत अन्य बंदियों, जिन पर गलत तरीके से यूएपीए और देशद्रोह जैसे कानून के तहत ६ ाराएं लगाई गई हैं, उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। दस विपक्षी नेताओं के दस्तखत वाले पत्र में फादर स्टेन स्वामी के निधन का जिक्र करते हुए सभी कैदियों को रिहा करने के लिए कहा गया है। पत्र पर दस्तखत करने वालों में सोनिया गांधी, शरद पवार और ममता बनर्जी के अलावा फारूक अब्दुल्ला, एमके स्टालिन, हेमंत सोरेन, एचडी देवगौड़ा, तेजस्वी यादव, डी राजा और सीताराम येचुरी भी शामिल हैं।

# पेट्रोल की कीमतों में आज फिर बढ़ोतरी, अब दिल्ली में शतक की तैयारी

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने पेट्रोल के दाम आज एक बार फिर से बढ़ा दिए गए हैं। सोमवार को पेट्रोल की कीमतों में ३५ पैसे की बढ़ोतरी किए गई है। हालांकि आज डीजल के दाम में कोई बढोतरी नहीं हुई है। जुलाई के महीने में ये तीसरी बार दाम बढ़े हैं। आज बढ़े पेट्रोल के दामों के बाद अब दिल्ली में पेट्रोल के दाम शतक लगाने के बिल्कुल करीब पहुंच कर ९९.८६ रुपए प्रति लीटर हो गए हैं। वह. . डीजल की कीमत ८९.३६ रुपए प्रति लीटर है। चार महानगरों आज पेट्रोल–डीजल के ताजा भाव।.... दिल्ली में पेट्रोल ९९.८६ रुपये प्रति लीटर और डीजल ८९.३६ रुपये प्रति लीटर। मुंबई में पेट्रोल १०५.६२ रुपये प्रति लीटर और डीजल ९६.९१ रुपये प्रति लीटर। कोलकाता में पेट्रोल ९९.८४ रुपये प्रति लीटर और डीजल ९२.२७ रुपये प्रति लीटर। चेन्नई पेट्रोल १००.७५ रुपये प्रति लीटर और डीजल ९३.९१ रुपये प्रति लीटर। देश के प्रमुख शहरों में भी पेट्रोल की कीमतें नई ऊंचाईयों पर चढ़ती रहीं। देश के ७३० जिलों में से ३३२ जिले हैं ऐसे हैं जहां पर पेट्रोल १०० रुपये प्रति लीटर के पार मिल रहा है। जयपुर में आज पेट्रोल की कीमत १०६.६४ रुपये प्रति लीटर और डीजल ९८.४७ रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं बिहार के पटना में पेट्रोल १०२.०१ रुपये प्रति लीटर और डीजल ९४.७६ रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

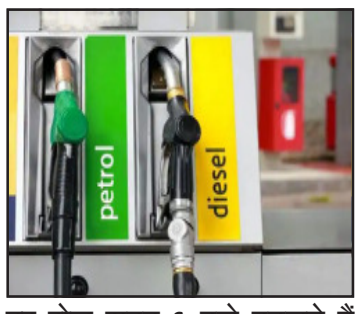


हर रोज सुबह ६ बजे बदलते हैं दाम पेट्रोल–डीजल की कीमतों में रोजाना सुबह ६ बजे बदलाव होता है। सुबह ६ बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं। पेट्रोल डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है। विदेशी मुद्रा दरों के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतों के आधार पर पेट्रोल–डीजल की कीमतों में बदलाव किया जाता है।

# जीएसटी एक लाख करोड़ से नीचे

नई दिल्ली। नौ महीने में पहली बार वस्तु व सेवा कर यानी जीएसटी का संग्रह एक लाख करोड़ से कम हुआ है। जून के महीने में जीएसटी संग्रह घट कर ६२,८४६ करोड़ रुपए हो गया। एक महीने पहले मई में जीएसटी कलेक्शन १.०२ लाख करोड़ रुपए रहा था। उससे एक महीने पहले अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन एक लाख ४० हजार करोड़ रुपए से ज्यादा रहा था। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को जून महीने का जीएसटी डाटा जारी किया। इससे पहले सितंबर २०२० में जीएसटी संग्रह ६५,४८० करोड़ रुपए रहा था। जून में कुल जीएसटी संग्रह में केंद्र सरकार का हिस्सा यानी सीजीएसटी १६,४२४ करोड़ रुपए है। राज्यों का हिस्सा यानी एसजीएसटी २०,३६७ करोड़ रुपए और इंटीग्रेटेड यानी आईजीएसटी ४६,०७६ करोड़ रुपए रहा। उपकर करीब ६,६४६ करोड़ रुपए रहा। सरकार की ओर से बयान में कहा गया है कि जून में जीएसटी राजस्व पिछले साल की समान अवधि से

दो फीसदी ज्यादा है। जीएसटी कलेक्शन का यह आंकड़ा पांच जून से पांच जुलाई के बीच का है। सरकार की ओर से बताया गया है कि पांच जून से पांच जुलाई के बीच टैक्स से जुड़ी कई रियायतें दी गई हैं, जिसमें आयकर रिटर्न दाखिल करने की सीमा को १५ दिनों तक बढ़ाया जाना भी शामिल है। इसके अलावा ब्याज दरों में कटौती भी की गई है। इसके अलावा कोरोना वायरस की दूसरी लहर का भी असर जीएसटी संग्रह पर हुआ। इन सब वजहों से राजस्व वसूली कम रहने का अनुमान है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, जून के लिए जीएसटी संग्रह मई के दौरान किए गए कारोबारी लेन–देन से संबंधित है। इस दौरान ज्यादातर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पूर्ण या आंशिक लकडाउन लगा था। इसकी वजह से मई का ई–वे बिल जेनरेशन का आंकड़ा ३० फीसदी कम हुआ। यानी मई में ३.९९ करोड़ ई–वे बिल जेनरेट हुए, जबकि अप्रैल में यह ५.८८ करोड़ था।

# छेड़छाड़ का आरोपी गिरफतार

लखनऊ। आलमबाग के मानक नगर पुलिस ने मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर छेड़छाड़ करने के वांक्षित आरोपी को गिरफतार कर लिया। पकड़े गए शातिर के खिलाफ पुलिस ने छेड़छाड़ की धाराओं के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।मानक नगर थाना प्रभारी अशोक सरोज ने बताया कि थाने में दर्ज छेड़छाड़ के आरोपी को थाना क्षेत्र स्थित कनौसी पुल के नीचे भोला खेड़ा मोड के पास से अरेस्ट किया गया है। पकड़े गए शातिर ने पुलिस पूछताछ में अपना परिचय आकाश शर्मा उर्फ काशी पुत्र उमाशंकर शर्मा निवासी ५५५क/२५ कनौसी थाना कृष्णा नगर लखनऊ के रूप में दिया है। मानक नगर प्रभारी निरीक्षक के मुताबिक गिरफ्तार शातिर के खिलाफ महिला ने सोमवार को। छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज कराया था। पकड़े गए शातिर के खिलाफ पुलिस ने छेड़छाड़ की धाराओं के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।

## तालाब के विकास एवं सौन्दर्यीकरण योजना का नगर विकास मंत्री द्वारा भूमि पूजन

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन ने आज कपूरथला अलीगंज लखनऊ स्थित नये हनुमान मंदिर में मुख्यमंत्री पर्यटन संवर्धन योजना के अन्तर्गत परिसर एवं तालाब के पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य का भूमि पूजन किया। इसमें ४६.१६ लाख रूपये की लागत से इंटरलॉकिग, शेड, बेन्च की व्यवस्था, रेंलिग एवं पेंटिग सहित विभिन्न विकास कार्य कराये जायेगे। इस अवसर पर टंडन ने कहा कि अलीगंज हनुमान मंदिर का सम्बन्ध ा रामायण काल से है बड़े मंगल के अवसर पर यहॉ बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा एवं दर्शन के लिए आते हैं इसलिए इसका विकास और सौन्दर्यीकरण की अत्यन्त आवश्यकता है। मुख्यमंत्री की प्रेरणा एवं नेतृत्व में प्रदेश का चहुंमुखी विकास किया जा रहा है। इनमें निर्माण कार्य, शिक्षा, चिकित्सा, ेषि एवं अन्य कार्य शामिल है। इन क्षेत्रों के साथ–साथ पर्यटन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किये जा रहे हैं। हमारे देश में अधिकांश पर्यटन स्थल धार्मिक है, इन स्थलों का विकास भी तीव्र गति से किया जा रहा है। जिससे पर्यटन का विकास एवं श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी। कोरोना जैसी महामारी विश्व में कभी नहीं आई थी और इससे बचने के लिए स्वच्छता, भौतिक दूरी, सैनीटेशन मास्क और वैक्सीनेशन की आवश्यकता है। हमें इस प्रोटोकाल का पालन करना चाहिए। नगर विकास मंत्री ने प्रयागराज कुम्भ २०१६ का उल्लेख करते हुए कहा कि मा० प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन एवं मा० मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में सफल आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश सरकार एवं केन्द्र सरकार ने धन की कोई कमी नहीं होने दी। उन्होंने कहा कि जनपद वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का विकास किया जा रहा है जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आधुनिकतम सुविधायें सुलभ हो सकेंगी। इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्य श्री उत्कर्ष बाजपेयी, मण्डल अध्यक्ष, श्री देवेन्द्र वर्मा व कृष्ण प्रताप सिंह, मण्डल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, पार्षद श्री हरिश्चन्द्र लोधी नामित पार्षद श्री राकेश मिश्र, पूर्व पार्षद श्री रामचन्द्र चौरसिया आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## मोहनलालगंज क्षेत्र के अंतर्गत एक युवक ने शादी का झांसा देकर युवती से किया शारीरिक शोषण

लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र की रहने वाली एक युवती ने आरोप लगाते हुए मोहनलालगंज कोतवाली आकर लिखित तहरीर देते हुए बताया है कि मोहनलाल गंज क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव का रहने वाला नीरज मेरे घर आया तो उस समय मेरे मम्मी पापा सब लोग घर से बाहर गए हुए थे हम घर पर अकेले ही थे नीरज ने मौके का फायदा उठाकर गलत नियत से मेरे साथ जबरदस्ती शारीरिक शोषण किया विरोध करते हुए मैंने कहा कि मम्मी पापा के आते ही मैं सारी बातें अपने परिजनों को तुम्हारे विषय में बता दूंगी तभी नीरज ने हमसे कहा मैं तुम्हारे साथ शादी करूँगा और मै उसकी झांसे में आ गई उसी का फायदा उठाकर युवक ने मेरे साथ कई बार शारीरिक शोषण किया युवती ने यह भी बताया कि मेरे पेट में करीब ४ माह का बच्चा भी है जब मैंने उनसे शादी करने के लिए कहा तो उसने शादी करने से मना कर दिया युवती की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है।

## घरवालों के शादी से मना करने पर युवक और युवती नें की आत्महत्या

लखनऊ। झूलेलाल पार्क के पास गोमती नदी में जिस युवक और युवती का शव मिला था वे रिश्तेदार थे। युवती युवक की रिश्ते में मौसी लगती थी। पुलिस का कहना है कि दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन घरवालों ने इन्कार कर दिया था। इससे आहत होकर दोनों ने रिवर फ्रंट जाकर गोमती नदी में छलांग लगा दी थी। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से काकोरी निवासी अखिलेश यहां वृंदावन कालोनी में चाय के होटल पर काम करता था। तीन जुलाई की शाम को वह बर्थडे पार्टी में मोहनलालगंज जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। अखिलेश मलिहाबाद निवासी रिश्ते की मौसी के साथ निकला था। देर रात अखिलेश ने अपने बड़े भाई को फोन पर कहा था कि आप लोग हम दोनों की शादी नहीं कराओगे, ऐसे में हम लोग आत्महत्या करने जा रहे हैं। इसके बाद दोनों रिवर फ्रंट गए थे और गोमती में कूद गए। रविवार को दोनों के शव पुलिस ने नदी से बरामद किए थे। उधर, युवती की मां ने बेटी के लापता होने पर थाने में शिकायत की थी। यही नहीं, अखिलेश के घरवालों ने भी पुलिस से उसकी गुमशुदगी की सूचना दी थी। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। गोमती नदी में रविवार को युवक और युवती का शव मिला था, तब आशंका जताई जा रही थी कि दोनों की हत्या की गई है। इंस्पेक्टर हसनगंज यशकांत सिंह के मुताबिक झूलेलाल पार्क के पास गोमती नदी में युवक युवती के शव देखकर आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

# कोरोना पीड़ित परिवारों के घर जाकर दें खतौनी की नकल : योगी

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के कारण दिवंगत हुए प्रदेशवासियों के परिवारों की मदद के लिए योगी सरकार लगातार फैसले कर रही है। निराश्रित बच्चों की पढ़ाई और लालन–पालन का जिम्मा सरकार ले चुकी है। निराश्रित महिलाओं के लिए योजना बनाई जा रही है। इसी तरह कोरोना महामारी में जान गंवाने वालों के उत्तराधिकारियों के लिए विशेष विरासत अभियान शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया है कि अधिकारी पीडिघ्त के घर जाकर खतौनी की नकल दें।लोकभवन में मंगलवार को उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोविड–१६ की महामारी के कारण जिन लोगों का निधन हुआ है, उन भू–स्वामियों की वरासत उनके विधिक उत्तराधिकारियों के पक्ष में खतौनी में दर्ज करने के लिए मंगलवार से विशेष वरासत अभियान शुरू किया गया है। इस महत्वपूर्ण अभियान का लाभ सभी जरूरतमंदों को दिलाया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि राजस्व विभाग के अधिकारी लाभार्थी के

घर पर खतौनी की नकल उपलब्ध ा कराएं।कोरोना संक्रमण की प्रस्तावित तीसरी लहर से बचाव के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अनेक औद्योगिक इकाइयां प्रदेश में हेल्थ एटीएम स्थापित करना चाहती हैं। इन इकाइयों से बातचीत कर एटीएम लगाने में सहयोग दें। साफ–सफाई, कूड़ा निस्तारण आदि पर भी सीएम का जोर है। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों का सीमा विस्तार किया गया है। नगरीय क्षेत्र में शामिल हुए गांवों में साफ–सफाई, ड्रेनेज व कूड़ा निस्तारण जैसी सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अमृत योजना और स्मार्ट सिटी मिशन के सभी काम तेजी से पूरे कराएं। डूडा और सूडा के काम की गुणवत्ता का परीक्षण कराया जाना चाहिए। इसी तरह मुख्यमंत्री ने बाल संरक्षण गृह व महिला संरक्षण गृहों की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए विभागीय मंत्री तथा वरिष्ठ अधिकारियों को निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अधिक गर्मी के कारण बिजली की मांग बढ़ी है। इसे देखते हुए बिजली आपूर्ति की सुचारु व्यवस्था की जाए।

## लखनऊ में एक महीना और बढ़ाई गई धारा–१४४

लखनऊ। आठ जुलाई क्षेत्र पंचायत प्रमुख उप प्रमुख चुनाव के नामांकन और १० जुलाई को मतगणना, २१ को ईद–उल–जुहा बकरीद, कांवड़ यात्रा, २६ जुलाई से श्रावण मास को देखते हुए मंगलवार को एक महीने के लिए धारा–१४४ बढ़ा दी गई है। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था पीयूष मोघ्डया ने बताया कि पांच अगस्त तक धारा–१४४ लागू रहेगा। इस दौरान सार्वजनिक स्थलों पर पांच से अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। शादी समारोह, धाघ्मक स्थलों में ५० से अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। मास्क लगाना और शारीरिक दूरी बनाए रखना जरूरी होगा। कंटेनमेंट जोन को छोड़कर होटल, रेस्टोरेंट, जिम, सिनेमा हाल व स्टेडियम में क्षमता का ५० फीसद लोग जा सकेंगे। सार्वजनिक स्थानों पर पांच लोगों के एकत्र होने, जुलूस निकालने व प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध रहेगा। रात्रि १० बजे से सुबह छह बजे तक धामक स्थलों से लाउडिस्पीकर बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। दीवारों पर किसी धर्म समुदाय को ठेस पहुंचाने वाले बैनर व पोस्टर नहीं लगाया जा सकता है। कोई व्यक्ति छत पर या सार्वजनिक स्थानों पर बोतल या ईंट पत्थर एकत्र नहीं कर सकेगा। समुदाय विशेष को लेकर भाषण व कार्यक्रमों को करने नहीं दिया जाएगा। साइबर कैफे में पैनकार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस व पासपोर्ट बनवाने आने वालों पर निगाह रखने के लिए क्लोज सर्किट कैमरा और छह महीने तक उनका रिकॉर्ड रखना जरूरी होगा। शनिवार व रविवार को लाकडाउन लागू रहेगा। मास्क न पहने, सार्वजनिक स्थानों पर थूकने पर प्रतिबंध रहेगा और नियमों के तहत कार्रवाई भी की जाएगी। सफाई कर्मचारियों और पुलिस कर्मचारियों के साथ अभद्रता करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# सोने की तस्करी कर लखनऊ में करते थे सौदा, क्राइम ब्रांच ने चौक से दो को दबोचा

लखनऊ। दिल्ली से सोने की तस्करी कर लखनऊ के चौक सर्राफा बाजार में सस्ते दामों में बेचा जा रहा था। इसकी सूचना पर मंगलवार रात चौक पुलिस और क्राइम ब्रांच ने चौक क्षेत्र से दो तस्करों को धर दबोचा। दोनों के पास से बिक्री के ६६ लाख रुपये और तस्करी में प्रयुक्त कार बरामद की गई है। दोनों दिल्ली से सस्ते दामों पर सोना लेकर आते थे और यहां सर्राफा बाजार में बेचते थे।एसीपी चौक आइपी सिंह ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों में सुभाष कश्यप निवासी शाहजहांपुर रोशनगंज और सादतपुर नई दिल्ली का चंद्रकांत गुप्ता है। दोनों को लोहिया पार्क के पास से पकड़ा गया है। तलाशी में उनके पास से सोना तस्करी के ६६ लाख रुपये और कार बरामद हुई है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। यह दोनों चौक सर्राफा बाजार स्थित बालाजी शक्ति ज्वैलर्स के मालिक मोनू को सोने की बिक्री करते थे। मोनू और उसकी दुकान पर बैठने वाले उसके भाई की तलाश की जा रही है। उनकी दुकान में ताला लगा है। मोनू के मिलने के बाद गिरोह से संबंधित कई और तथ्य सामने आएंगे।इंस्पेक्टर चौक विश्वजीत सिंह ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर चंद्रकांत का बहनोई राजेश उर्फ प्रशांत गुप्ता पूरा गिरोह चलाता है। प्रशांत दिल्ली का रहने वाला है। वह दिल्ली में कहां रहता है उसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। दोनों तस्करों से पूछताछ की जा रही है। राजेश ही दोनों को सस्ते दाम पर सोना मुहैया कराया था। उसके बाद यह लोग लखनऊ समेत अन्य जिलों में सप्लाई देते थे।इंस्पेक्टर विश्वजीत सिंह ने बताया कि मामले की जांच में इन्कमटैक्स की टीम

को भी लगाया गया है। इन्कमटैक्स की टीम भी देर रात कोतवाली पहुंची और दोनों तस्करों से पूछताछ करती रही। इंस्पेक्टर ने बताया कि जल्द ही गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी की जाएगी।

# अद्भुत गाँवः मात्र महिलाओं का गाँव

**अमरेन्द्र सहाय अमर**

कहते हैं महिला और पुरुष दोनों एक दूसरे के पूरक होते है. दाम्पत्य जीवन और वंश बेल को आगे बढ़ाने में महिला और पुरुष की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण और बराबरी की होती है. यह परम्परा सदियों से ही रहती है. अफ्रीकाके उत्तरी केन्या के समबुरू इलाके का एक गाँव है उमोजा. उमोजा गाँव अपने आप में इसलिए खास है कि यहां पुरुषों के रहने पर प्रतिबन्ध है. स्वाहली भाषा में उमोजा का मतलब होता है एकता यानि संगठन. यहां पिछले या बाल विवाह आदि से उबरने में कामयाब हुई हैं समबुरु लोग आदिवासी परंपराओं में जकड़े हुए होते हैं. यह अर्द्ध घुमंतू और काफी हद तक बहुविवाह करने वाले होते हैं यह मासाई जनजाति से निकटता से निकटता भी रखते छोड़ देना पड़ता है. इस गाँव को देखने के लिए देश विदेश से पर्यटक भी आते है. इस पर्यटन द्वारा भी महिलाओं की आय बढ़ती है. यहां की महिलाएं गांव में प्रवेश करने के बदले में आने वाले पर्यटकों से प्रवेश शुल्क वसूलती . इस गाँव में बच्चों की पढ़ाई के लिए विद्यालय भी है. इस विद्यालय में आस पास के गाँव के बच्चे भी शिक्षा के लिए आते हैं. इनके बीच जो बड़ी उम्र की महिलाएं होती हैं वे अपने से छोटी उम्र की लड़कियों और महिलाओं

चली आ रही है और आगे भी चलती रहेगी. बिना महिला और पुरुष के किसी गाँव, नगर और शहर की कल्पना नही की जा सकती है, लेकिन आज हम आपको एक ऐसे गाँव की जानकारी देने जा रहे है जहाँ सिर्फ और सिर्फ महिलाये रहती है. इस गाँव में पुरुष नहीं रह सकते. बल्कि यह कहें यहाँ पुरुषो का रहना पूर्णतया वर्जित है. यह दुनिया का एक अनोखा और एकलौता गाँव है जहाँ पुरुष नही सिर्फ महिलाएं

२७ सालों से यही नियम लागू हैं बहरहाल, शुरुआत में इस गांव को वर्ष १९६० में १५ महिलाओं के लिए एक आश्रय स्थ,ल के तौर पर बसाया गया था. यह वह महिलाएं हैं जिनका ब्रिटिश सैनिकों द्वारा रेप यानी योंन शोषण किया गया था. हालांकि आज यह गांव ऐसी महिलाओं को आश्रय और आजीविका देने के मामले में यादगार मिसाल पेश कर रहा है, जो महिलाएं किसी भी हादसे जैसे यौन उत्पीड़न, रेप, घरेलू हिंसा

है. उमोजा में इस समय ५० महिलाओं ने अपने लगभग २०० बच्चों के साथ मिलकर अपने लिए एक अर्थव्यवस्था बनाई है. यहाँ की महिलाएं आधुनिक समाज से कटी हुई हैं. महिलाएं और बच्चे अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए एक नियमित आय कमाते हैं. हालांकि यह भी एक रोचक तथ्य है कि इस गाँव के नियम इतने कठोर और सख्त हैं कि जब इनके लड़के १८ वर्ष की उम्र तक पहुंचते हैं, तो उन्हें गांव

हैं. यहां गांव में एक शिल्प केंद्र भी है. इसमें महिलाएं रंगीन मनके, हार, चूड़ियां, पायल और महिलाओं से संबंधित अन्य आभूषण बनाती हैं, जिन्हें बिक्री के लिए रखा जाता है. उमोजा गाँव में उन महिलाओं को शरण मिलती है जो खतना, रेप और घरेलू हिंसा की शिकार होती हैं. गाँव कि महिलाये न सिर्फ इन्हें आश्रय देती हैं अपितु इनके लिए रोजगार की भी व्यवस्था करती हैं ताकि पीड़ित महिला आत्मनिर्भर हो सके

को सामाजिक मानदंडों जैसे महिला जननांग विंति, जबरन गर्भपात आदि के बारे में जानकारी देती रहती हैं. यह सच है कि इस गाँव में पुरुषो के आने पर प्रतिबन्ध ा है लेकिन गाँव की महिलाएं अपने गाँव से निकल कर पास के बाजार या गाँव में नियमित रूप से जाती रहती हैं . उमोजा गाँव की महिलाओं का सिर्फ एक ही उदेश्य है कि वे इज्जत और स्वाभिमान से अपना जीवन जी सकें।

# बीएड प्रवेश परीक्षा की तिथि में हो सकता है बदलाव

लखनऊ। आगामी १८ जुलाई को प्रस्तावित संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा की तिथि में फिर बदलाव हो सकता है। परीक्षा कराने वाले लखनऊ विश्वविद्यालय ने तैयारियां पूरी न हो पाने की वजह से शासन

को पत्र लिखकर और समय मांगा है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि कोविड–१९ की वजह से अभी तैयारियां पूरी नहीं हो पाई हैं। इसलिए प्रवेश परीक्षा के लिए थोड़ा और समय देते हुए नई तिथि घोषित की जाए।लविवि को इस बार फिर से शासन ने बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा की जिम्मेदारी सौंपी है। प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए ५,६१,२५२ अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। यह आंकड़ा पिछले साल से अधिक है। विश्वविद्यालय ने सबसे पहले १६ मई को प्रवेश परीक्षा प्रस्तावित की थी। लेकिन कोरोना की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया। फिर शासन ने नई तिथि १८ जुलाई तय की। बीएड प्रवेश परीक्षा की राज्य प्रवेश समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी का कहना है कि कोविड की वजह से तैयारियां पूरी नहीं हो पाईं हैं। कई जिलों से परीक्षा केंद्र फाइनल नहीं हो सके हैं। इसलिए शासन को पत्र भेजकर परीक्षा के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया है।संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए इस बार आवेदन अधिक आए हैं। पिछले साल ४,३१,६०४ अभ्यर्थियों के लिए १०८६ परीक्षा केंद्र बने थे। इस बार ५,६१,२५२ आवेदन आए हैं। इसलिए करीब १५०० परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे।

# दबंगों द्वारा तालाब पाटकर हो रहा अवैध निर्माण प्रशासन मौन

लखनऊ। मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र के अंतर्गत भू माफियाओं व अवैध कब्जे के मामले कुछ ज्यादा ही आ रहे हैं जिसके अंतर्गत लेखपालों की मिलीभगत होने के कारण भू माफिया अवैध जमीनों पर कब्जा करने में सफल हो जाते हैं और जिम्मेदारों की वजह से आम जनता को नुकसान उठाना पड़ता है वही मोहनलालगंज के फुलवरिया गांव में दबंग महिला ग्राम समाज के तालाब को पाठ कर करवा रही हैं अवैध निर्माण पूरे गांव के पानी का निकासी का मात्र एक ही साधन है जिसे दबंग महिला ने नाली को किया बंद ग्रामीणों में आक्रोश १ दर्जन से अधिक लोगों ने मोहनलालगंज उपजिला धिकारी डक्टर शुभी के पास जाकर प्रार्थना पत्र दिया उप जिलाधिकारी ने अभी तक नहीं की कोई कार्रवाई लेखपाल नहीं उठा रही हैं फोन और ना ही फोन उठा रहे हैं नंबर को ब्लैक लिस्ट में डाल दिया मोहनलालगंज उपजिलाधिकारी को भी फोन किया गया लेकिन उपजिलाधिकारी भी फोन नहीं उठा रही हैं ऐसे में साफ जाहिर होता है कि भू माफियाओं के हौसले के आगे प्रशासन भी नतमस्तक है।

# संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता ने फांसी लगाई, मौत

लखनऊ। आलमबाग के कृष्णा नगर कोतवाली इलाके में रहने वाली एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में अपने पिता के घर दूसरे तल पर लोहे के एंगल में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फंदे पर लटका देख मृतका के परिजन विवाहिता को फंदे से उतारकर नजदीकी निजी अस्पताल लेकर गए। जहां जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के बरिगवां में अपने पिता कमलेश पाल के संग रह रही २२ वर्षीय विवाहिता अंजली पत्नी संदीप पाल ने सोमवार दोपहर घर के ऊपर के कमरे में लगे लोहे की रैलिंग से दुपट्टे के सहारे फांसी का फंदा बना अपनी जिवनलिला समाप्त कर ली। परिजनों ने शव को फंदे से झूलता देख आनन फानन में शव को नीचे उतार निजी अस्पताल ले गए। अस्पताल में डक्टरों ने जांच के बाद विवाहिता को मृत घोषित कर दिया। वहीं सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के मुताबिक उन्होंने एक वर्ष पूर्व बेटी का विवाह संदीप के साथ किया था बेटी एक निजी अस्पताल में नर्स का काम करती थीं। मृतका के पास से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

# उत्तर प्रदेश में बड़े दलों के बीच नहीं होगा गठबंधन, छोटी पार्टियों की पूछ बढ़ी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सभी दल अलग–अलग तरह से अपनी रणनीति को अंजाम देने में जुटे हुए है। वर्तमान परिस्थिति में उत्तर प्रदेश की राजनीति को देखें तो यह माना जा रहा है कि बड़े दलों के बीच में कोई गठबंधन नहीं होगा। बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस ने तो पहले ही ऐलान कर दिया है कि वह उत्तर प्रदेश में किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। समाजवादी पार्टी ने भी २०१७ और २०१६ से सीख लेते हुए इस बार के विधानसभा चुनाव में बड़े दलों के साथ गठबंधन नहीं करने का फैसला लिया है। भाजपा भी किसी बड़े दलों से गठबंधन किए बिना ही चुनाव मैदान में उतरेगी। सभी दल छोटे–छोटे राजनीतिक दलों को साधने की कोशिश कर रहे है। भाजपा अनुप्रिया पटेल की अपना दल (एस) और संजय निषाद की पार्टी को साथ रखने की कोशिश में है। वहीं, समाजवादी पार्टी की बात करें तो आरएलडी फिलहाल उसके साथ है। इसके अलावा अखिलेश यादव यह कह चुके हैं कि बड़े दलों के साथ उनका कोई गठबंधन नहीं होगा। वह छोटे दलों से लगातार संपर्क में हैं। बड़ी पार्टियां लगातार उन दलों को साधने की कोशिश कर रही हैं जिनका क्षेत्रीय स्तर पर अपना दबदबा है और उनका जातीय

समीकरण कई सीटों पर जीत और हार का अंतर तय करते हैं। यही कारण है कि आने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए उत्तर प्रदेश में छोटे दलों की डिमांड बढ़ती जा रही है। बड़ी पार्टियां उन पर लगातार डोरे डाल रहे हैं।दूसरी तरफ देखे तो पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर के नेतृत्व में भागीदारी संकल्प मोर्चा बड़ा आकार ले रहा है जिसमें अब तक १० दल शामिल हो चुके हैं। इन सभी छोटे–छोटे दलों का अपने–अपने क्षेत्रों में अलग–अलग तरह से पकड़ है। कहीं इनकी जातीय पकड़ ज्यादा है तो कहीं सामाजिक पकड़। यह बात भी सच है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब तक छोटे दलों ने खास कमाल नहीं दिखाया है। २०१७ के चुनाव की बात करें तो अपना दल ने ६ सीटों पर जीत हासिल की थी जबकि सुभासपा ४ सीटों पर जीती थी। दोनों दल भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे थे। रालोद और निषाद पार्टी को भी एक–एक सीट मिली थी। पीस पार्टी और एआईएमआईएम को भी अच्छी खासी वोट हासिल हुई थी। कांग्रेस की ओर से भी लगातार यह दावा किया जा रहा है कि पार्टी विधानसभा चुनाव जीतने में सक्षम है और वह अकेले अपने दम पर सरकार बना सकती है। यह भी ध्यान रखना होगा कि शिवपाल यादव के नेतृत्व वाली पार्टी भी एक खास पकड़ रखती है।

## अयोध्या कथित जमीन भ्रष्टाचार मामले में ओमप्रकाश राजभर ने दिया बड़ा बयान

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने एक बार फिर बीजेपी को आड़े हाथ लिया है। राम मंदिर जमीन मामले पर बयान

देते हुए ओमप्रकाश राजभर ने सोमवार को सर्किट हॉउस में कहा कि भगवान राम के नाम पर २ करोड़ की जमीन दस मिनट १८ करोड़ की हो गयी और २० लाख की जमीन ८ करोड़ की हो गयी। ये लोग भगवान के नाम पर भी लूट कर रहे हैं। चुनाव और कार्यालयों के निर्माण के लिए बीजेपी लूट मार एन्ड कंपनी बन गयी है। वाराणसी में शिवपुर और अजगरा में कार्यकर्ताओं की समीक्षा बैठक के लिए वाराणसी पहुंचे ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ बात करने में सबसे आगे रहते हैं। चुनावों के मद्देनजर कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए वाराणसी आए ओमप्रकाश राजभर आज फिर अपने चित परिचित अंदाज में देखें और भारतीय जनता पार्टी को कई मुद्दों पर घेरा। वैसे तो उत्तर प्रदेश २०२२ के विधानसभा चुनाव में कौन सा मुद्दा हावी रहेगा इसे लेकर के तमाम पार्टिया खींचतान में लगी है।

## जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट मुकदमा दर्ज

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले डेबरिया गाँव में सोमवार सुबह जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई, जिसमें कुल्हाड़ी व लाठी–डंडे चले। डेवरिया गाँव निवासी पीड़ित देशराज ने बताया कि उसके भाई अशोक कुमार, भाई राम विनोद, भाभी दीपा भारतीय व भतीजे विशाल पर विपक्षीगण लक्ष्मी नारायण सिपाहीलाल, अंकित व बालकिसन ने सोमवार सुबह जमीनी विवाद को लेकर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। पीड़ित देशराज की माने तो करीब आठ महीने पहले उसके भाई ने डेबरिया में जमीन खरीदी थी जिस पर विपक्षी कब्जा कर रहे थे। इसका विरोध करने पर विपक्षियों ने देशराज सहित उसके परिजनों को कुल्हाड़ी व लाठी–डंडों से मारा–पीटा। जिसमें उसके भाई राम विनोद के सिर पर गंभीर चोट भी आ गई। प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज दीनानाथ मिश्रा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है व आगे की कार्यवाही की जाएगी।

## मीरा राजपूत को मिनी स्कर्ट पहनना पड़ा भारी! यूजर्स ने जमकर किया ट्रोल

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर भले ही इनदिनों चर्चा में न हो, लेकिन उनकी पत्नी मीरा राजपूत जरूर सुर्खियां बटौर रही हैं। हाल ही में मीरा मुंबई में मिनी स्कर्ट और टॉप पहने हुए स्पॉट हुई, जिसके बाद उन्हें यूजर्स की ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ रहा है। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाली

शाहिद की पत्नी मीरा अक्सर अपने फैन्स के लिए फिटनेस और स्किन केयर रुटीन शेयर करती रहती हैं। मीरा का मिनी स्कर्ट पहने यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और जिस पर कई तरह के कमेंट्स आ रहे हैं। मिनी स्कर्ट में मीरा को देखने के बाद कुछ यूजर्स का कहना है कि, मीरा ने अपनी बेटी की स्कर्ट पहन ली है। इससे पहले भी मीरा मिनी स्कर्ट पहनने को लेकर काफी ट्रोल हो चुकी हैं। ऐसे में तो लगता है कि उनके फैंस उन्हें मिनी स्कर्ट से ज्यादा किसी दूसरे आउटफिट्स में पसंद करते हैं।

## जाह्वी कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे भाई अर्जुन कपूर पहली बार दर्शकों को दिखेंगे एकसाथ

मुंबई। बॉलीवुड की सबसे नामी एक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी और एक्ट्रेस जाह्वी कपूर अपने भाई अर्जुन कपूर के साथ पहली बार स्क्रीन पर दिखाई देने वाली हैं। जाह्वी और अर्जुन दोनों ने जानकारी अपने फैंस को दी है। इन दोनों को एक साथ स्क्रीन शेयर करते देखने की इच्छा बहुत से दर्शकों को थी, ऐसे में अब उनकी ये इच्छा पूरी होने वाली है। आपको बता दें कि जाह्वी बोनी कपूर और श्रीदेवी की बेटी हैं। वहीं अर्जुन बोनी कपूर की पहली पत्नी मोना कपूर के बेटे हैं। जाह्वी और अर्जुन दोनों ने अपने अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें अर्जुन कपूर और जाह्वी फनी अंदाज में मस्ती करते देखे जा सकते हैं। ये वीडियो उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस वीडियो को पोस्ट इन्होंने लिखा है कि 'जल्द आ रहा हैकुछ एक्साइटिंग'। मीडिया

रिपोर्ट्स के अनुसार, जाह्वी और अर्जुन दोनों एक सीक्रेट प्रोजेक्ट के लिए साथ काम कर रहे हैं और जल्द ही दोनों एक साथ दर्शकों को स्क्रीन पर दिखाई देने वाले हैं। हमेशा मलाइका अरोड़ा के साथ रिश्तों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले अर्जुन कपूर फिल्म 'भूत पुलिस' और 'एक विलेन रिटर्न्स' में दिखाई देंगे जो जल्द ही रिलीज होने वाली हैं। वहीं, सोशल मीडिया एक्टिव रहने वाली और बीच पर मनमोहक अंदाज में पोज देने वाली जाह्वी कपूर फिल्म 'गुड लक जेरी' और 'दोस्ताना २' में दर्शकों नजर आने वाली हैं। गौरतलब है कि अभी कुछ दिन पहले ही ।तरनद झंचववत की बर्थडे पार्टी में जाह्वी कपूर अपनी बहन खुशी के साथ पहुंची थीं, और दोनों ने पार्टी में जमकर मस्ती भी की थी। ने अर्जुन को बर्थडे विष करते हुए एक फोटो भी शेयर की थी। जिसमें उन्होंने लिखा था, आप जैसा बड़ा भाई पाकर हम कितने खुश हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191.
9026560178

Email-
adbhutsamachar
@yahoo.in
adbhut_samachar
@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक